भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1113
29.07.2024 को उत्तर के लिए

पर्यावरण संरक्षण शुल्क

1113. श्री बी. के. पार्थसारथी :
श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत पांच वर्षों के दौरान केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पर्यावरण संरक्षण प्रभार तथा पर्यावरणीय प्रतिकर के रूप में दिल्ली सहित वर्ष-वार और राज्य-वार कितनी निधि प्राप्त हुई है;
(ख) उक्त अवधि के दौरान ईपीसी और ईसी के अंतर्गत दिल्ली सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार, वर्ष, शीर्ष और मद-वार और कितनी निधि का उपयोग किया गया है;
(ग) उन परियोजनाओं या अध्ययनों का ब्यौरा क्या है, जिन पर ईपीसी और ईसी का उपयोग किया गया है;
(घ) क्या सरकार उन परियोजनाओं या अध्ययनों में निवेश करने की योजना बना रही है जो इन निधियों के माध्यम से स्रोत पर प्रदूषण नियंत्रण करेंगे; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) और (ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा प्राप्त पर्यावरण संरक्षण शुल्कों (ईपीसी) की राशि और ईपीसी के अंतर्गत निधि में से उपयोग की गई राशि को **अनुबंध-I** में दर्शाया गया है।

जहां तक पर्यावरण क्षतिपूर्ति (ईसी) का संबंध है, सीपीसीबी को 31 मार्च, 2024 तक एनजीटी ईसी 25% खाते में कुल 126.76 करोड़ रुपये और एनजीटी ईसी 75% खाते में 276.96 करोड़ रुपये जमा प्राप्त हुए हैं, जिनमें बैंक से मिलने वाला ब्याज भी शामिल है जिनमें से 31 मार्च, 2024 तक क्रमशः 46.25 करोड़ रुपये और 15.69 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अलावा, विशिष्ट मामलों में माननीय एनजीटी के आदेशों के अनुसरण में 23 विशिष्ट प्रयोजन खाते खोले गए हैं। 31 मार्च, 2024 तक, इन खातों में जमा कुल राशि 176 करोड़ रुपये है, अर्जित ब्याज 17 करोड़ रुपये है और जारी की गई राशि 1.33 करोड़ रुपये है।

जहां तक राज्य-वार उपयोग का संबंध है तो इस बारे में यह कहना है कि 67 परियोजनाओं/अध्ययनों के लिए निधि जारी किया जा चुका है, जिनमें से 54 परियोजनाएं/अध्ययन सीपीसीबी द्वारा किए गए थे जिनमें ऐसी परियोजनाएं भी थी जिनका दायरा राष्ट्रव्यापी था और ऐसे अध्ययन भी थे जो कि माननीय एनजीटी, आदि के द्वारा निर्देशित थे। शेष परियोजनाएं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संचालित की गई थीं। इनका ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ग) उन परियोजनाओं अथवा अध्ययनों की सूची, जिन पर ईपीसी का उपयोग किया गया है, **अनुबंध-III** में दी गई है।

ईसी फंड से वित्त पोषित परियोजनाएं/अध्ययन ओए संख्या 101/2019 के मामले में दिनांक 22.01.2019 के आदेश के माध्यम से माननीय एनजीटी द्वारा स्वीकार की गई गतिविधियों के निम्नलिखित दायरे में आती/आते हैं:

i. दिल्ली एनसीआर और अन्य आवश्यक स्थानों में विभिन्न क्षेत्रों/स्थानों के लिए वायु और जल गुणवत्ता निगरानी और निगरानी के लिए बुनियादी ढांचे का विकास।
ii. दूषित स्थलों का सुधार-तथा इसके लिए बुनियादी ढांचे का विकास, उपकरणों की खरीद, आदि करना, जिसमें स्थलों के सुधार, आदि के लिए विशिष्ट आवश्यकता हेतु विशेषज्ञों/परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी शामिल है।
iii. पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी के क्षेत्र में विशिष्ट जांच एवं अध्ययन।
iv. पारिस्थितिक और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्रों का क्षमता मूल्यांकन, जिसमें विशिष्ट उद्देश्य और अवधि के लिए विशेषज्ञों/सलाहकारों की भर्ती शामिल है।
v. नई प्रौद्योगिकियों, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों, आदि के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास कार्यकलाप शुरू किए गए हैं।
vi. पर्यावरण का कायाकल्प और सुरक्षा करने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पीसीबी/पीसीसी के वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग कर्मियों की क्षमता निर्माण।
vii. जनशक्ति और लोजिस्टिक के रूप में प्रयोगशाला नेटवर्क को बढ़ाना और सुदृढ़ करना।
viii. न्यायालयों और अधिकरण के न्यायिक आदेशों के अनुपालन में मानदेय का भुगतान।
ix. आकस्मिक रिसाव वाले क्षेत्रों, स्वास्थ्य प्रभाव आकलन, असाध्य प्रदूषकों, आदि पर विशेष अध्ययन।
x. सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां।
xi. कोई अन्य वैज्ञानिक और तकनीकी मामला जो एक आकस्मिक मामले के रूप में उत्पन्न हो सकता है।

पर्यावरणीय स्वीकृति निधि के अंतर्गत वित्तपोषित परियोजनाओं/अध्ययनों की सूची **अनुबंध-IV** में दी गई है।

(घ) और (ड.) :

वैज्ञानिक अध्ययनों के अलावा, स्रोत पर वायु प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण की बहाली के लिए ऑन-ग्राउंड शमन उपायों के कार्यान्वयन के लिए ईपीसी निधियों के उपयोग पर विचार किया गया है और तदनुसार वित्त पोषण के लिए निम्नलिखित नए क्षेत्रों को जोड़ा गया है :

- यूएलबी/एसपीसीबी की परियोजनाओं (सड़क निर्माण, पक्की सड़क बनाना, एंटी-स्मॉग गन (एएसजी) और मैकेनिकल रोड स्वीपर (एमआरएस) की खरीद, आदि) का वित्तपोषण
- धान की पराली पर आधारित पेलेटीकरण और टोरेफिकेशन संयंत्रों की स्थापना के लिए वित्त पोषण
- सरकारी अस्पतालों में डीजी सेटों के नवीनीकरण/उन्नयन के लिए वित्त पोषण
- मानकों को पूरा न करने वाले शहरों में सूक्ष्म स्तरीय कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए गैप फंडिंग सहायता
- एनसीएपी और पन्द्रहवें एफसी द्वारा वित्तपोषित नहीं किए गए एनसीआर शहरों की सिटी एक्शन प्लान की गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए गैप फंडिंग सहायता। एनसीएपी मॉडल के अनुरूप 18 एनसीआर शहरों को फंडिंग सहायता प्रदान करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। इन्हें माननीय एनजीटी को उसकी सहमति प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया गया है।

ईपीसी निधि के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं और प्रस्तावों का विवरण उपर्युक्त क्षेत्रों के आधार पर स्थगित रखा गया है, जो **अनुबंध-V** और **अनुबंध-VI** में संलग्न है।

देश में प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण के लिए ईसी निधियों के अंतर्गत 22 चालू परियोजनाएं/अध्ययन चल रहे हैं। चल रही प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं,

- राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों की समीक्षा
- 25 मानकों को पूरा न करने वाले शहरों (एनएसी) के लिए स्रोत आवण्टन/वहन क्षमता अध्ययन
- वायु गुणवत्ता डेटा के विश्लेषण के लिए मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का विकास
- राष्ट्रीय स्तर पर उपग्रह आधारित परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी (एसएएएनएस)
- राष्ट्रीय खतरनाक अपशिष्ट ट्रैकिंग (एनएचडब्ल्यूटीएस) सॉफ्टवेयर का विकास
- भारत में उद्योगों से प्रदूषण के नियंत्रण के लिए प्रत्यक्ष डेटा हस्तांतरण हेतु ओसीईएमएस* डेटा अधिग्रहण और प्रबंधन प्रणाली (ओडीएएमएस) का डिजाइन, विकास और कार्यान्वयन
- बहिस्त्रावों में सीओडी की सांद्रता में वृद्धि के संबंध में कांतियाजल, गुजरात में गहरे समुद्र में निस्सरण मानदंड की समीक्षा के लिए वैज्ञानिक अध्ययन
- मिशन कर्मयोगी के तहत ई-लर्निंग मॉड्यूल का विकास
- जैव चिकित्सा अपशिष्ट का पता लगाने के लिए केंद्रीकृत बारकोड प्रणाली का कार्यान्वयन
- सीपीसीबी की प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन
- दिल्ली में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए शोर मैपिंग, हॉट स्पॉट की पहचान करना और शमन योजना
- प्रयोगशाला सूचना प्रबंधन प्रणाली सहित आईटी सक्षम सेवाओं के साथ प्रयोगशालाओं का उन्नयन
- फुलडेरा नाले का जीर्णोद्धार
- कंक्रीट में प्राकृतिक रेत के आंशिक प्रतिस्थापन के रूप में थर्मल पावर प्लांट की निचली राख का मूल्यवर्धित उपयोग

******

अनुबंध-I

ईपीसी फंड (31 मई, 2024 तक) (करोड़ रूपए में)							
वित्तीय वर्ष	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 (31 मई 2024 तक)	कुल
प्राप्त राशि	40.59	22.17	35.16	57.88	65.28	11.42	364.40
ब्याज	8.32	6.11	4.40	10.19	20.74	0.17	58.16
प्राप्त राशि (ब्याज सहित)	48.91	28.28	39.56	68.07	86.02	11.59	422.56*
व्यय	8.24	22.88	11.41	6.44	22.38	0.37	99.29

अनुबंध-II

क्र.सं.	परियोजना प्रस्तावक	परियोजनाओं की संख्या	जारी की गई राशि (रु.)
1	सीपीसीबी	54	41.25 करोड़
2	नगालैंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	5	93.84 लाख
3	अरुणाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	3	1.75 करोड़
4	मणिपुर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	1	86.91 लाख
5	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड असम	1	3.44 करोड़
6	पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	2	9.15 करोड़
7	केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	1	4.55 लाख

अनुबंध-III

ईपीसी फंड के तहत परियोजनाओं या अध्ययनों की सूची (31.05.2024 तक)

क्र.सं.	शीर्ष
वैज्ञानिक/तकनीकी अध्ययन	
1	परियायंत्र निस्पंदन द्वारा वायु प्रदूषण शमन की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करने के लिए पायलट परियोजना- एमआरआईआईआरएस
2	दिल्ली में यातायात जंक्शन प्रदूषण निवारण के लिए वायु शोधन इकाइयों को लगाना और उसका मूल्यांकन- नीरी
3	धूल दमनकारी का उपयोग करके धूल उत्सर्जन पर नियंत्रण - ईपीआरआई
4	दिल्ली शहर में पीएम 2.5 सांद्रता के प्रभावी और कुशल प्रबंधन के लिए अर्द्ध-साप्ताहिक कार्य योजना- आईआईटी, दिल्ली
5	नई दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए मल्टीपल एंटीना उच्च घनत्व आयन जनरेटर - एसटीपी पुणे
6	दिल्ली में स्कूली बच्चों में यातायात के प्रभाव के कारण अस्थमा - आईआईएचएमआर
7	आयनीकरण आधारित वायु शोधन प्रौद्योगिकी की निगरानी और मूल्यांकन- आईआईटी दिल्ली
8	दिवाली और दशहरा पर पटाखे फोड़ने से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन
9	मेसर्स श्रीराम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल रिसर्च - एयर लैब द्वारा मेरठ और फरीदाबाद में परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी
10	वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए मॉडलिंग तकनीकों का मूल्यांकन - टेरी
11	ईंधन के नुकसान का अनुमान और चयनित यातायात पर वायु गुणवत्ता का आकलन- सीआरआरआई
12	दिल्ली-डीटीयू में परिवहन सूक्ष्म वातावरण में अतिसूक्ष्म कणों की संख्या सांद्रता, नए कणों का निर्माण और इसकी वृद्धि दर का प्रॉक्सी संबंध
13	क्या आवासीय क्षेत्रों के निकट फसल जलाने से खराब वायु गुणवत्ता श्वसन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है- टेरी
14	दिल्ली वायु गुणवत्ता प्रयोग: स्रोत विभाजन में एक आदर्श बदलाव- आईआईटी कानपुर
15	दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए एयर शेड का परिसीमन
16	वायु गुणवत्ता पर पंजाब और हरियाणा राज्यों में पराली जलाने के योगदान का आकलन- एनईईआरआई
17	यात्रा विकल्प पर वायु गुणवत्ता का प्रभाव (ए-क्विट) - टेरी एसएएस
18	बाहरी सफाई प्रणाली (कभी-कभी स्मॉग टॉवर कहा जाता है) का उपयोग करके शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने के आकलन के लिए पायलट अध्ययन - आईआईटीबी, टीपीएल
19	राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ने से स्वास्थ्य पर प्रभाव - एमएएमसी (5 वर्ष)
20	दिल्ली वायु गुणवत्ता के लिए निकट-वास्तविक समय अग्नि उत्सर्जन अनुमान और अग्नि पूर्वानुमान प्रणाली- सी-डैक
क्षेत्र के दौरे से संबंधित गतिविधियाँ	

21	दिल्ली के लिए स्वच्छ हवाअभियान
22	दिल्ली में वायु प्रदूषण की गतिविधियों पर प्रतिक्रिया के लिए सीपीसीबी क्षेत्र का दौरा
प्रयोगशाला अवसंरचना परियोजनाएं	
23	सीपीसीबी में मौजूदा एसओडीएआर का उन्नयन - एनपीएल
24	इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला, सीपीसीबीके लिए ऊर्जा फैलाने वाला एक्स-रे दीप्ति स्पेक्ट्रोमीटर (ईडीएक्सआरएफ)
25	इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, सीपीसीबी के लिए उपकरणों/उपकरणों की खरीद
26	लैब इन्फ्रास्ट्रक्चर का सुदृढ़ीकरण- वायु प्रयोगशाला, सीपीसीबी
शहरी स्थानीय निकायों से संबंधित सड़क धूल नियंत्रण परियोजनाएं	
27	सड़क रखरखाव/निर्माण के लिए जीएमसी का प्रस्ताव
सीएएक्यूएमएस परियोजनाएं	
28	केंद्रीय नियंत्रण कक्ष (सीसीआर), सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, समीर ऐप - आईटी, सीपीसीबी की कमीशनिंग
29	दिल्ली में वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण- वायु प्रयोगशाला, सीपीसीबी
30	हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सीएएक्यूएमएस का विस्तार- एचएसपीसीबी और यूपीपीसीबी
पैलेटाइज़ेशन संबंधी दिशानिर्देश	
31	पेलेट प्लांट के लिए अनुदान

नोट: उपरोक्त के अतिरिक्त, ईपीसी निधि का उपयोग, छात्रवृत्रि बैठकों/कार्यशालाओं और अन्य प्रशासनिक गतिविधियों पर होने वाले व्यय को पूरा करने के लिए किया गया है।

अनुबंध-IV

दिनांक 31 मार्च, 2024 तक ईसी फंड के तहत वित्त पोषित परियोजनाओं/अध्ययनों/प्रयोगशाला उपकरण खरीद की सूची

क्र.सं.	शीर्षक	कार्यविधि का प्रकार	स्थिति (पूर्ण/चालू)	31.03.2024 तक व्यय (लाख रुपए में)
1.	राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों की समीक्षा	शोध	चालू	14.79
2.	भारत की नदियों के बाढ़ मैदानों में जैव विविधता पार्कों की स्थापना के लिए दिशानिर्देश तैयार करना	शोध	पूर्ण	2.3
3.	बहिस्त्रावों में सीओडी की सांद्रता में वृद्धि के संबंध में कांतियाजल, गुजरात में गहरे समुद्र में निस्सरण मानदंड की समीक्षा के लिए वैज्ञानिक अध्ययन	शोध	चालू	78.8
4.	25 मानकों को पूरा न करने वाले शहरों (एनएसी) के लिए स्रोत आवण्टन/वहन क्षमता अध्ययन	शोध	चालू	600.5
5.	वायु गुणवत्ता डेटा के विश्लेषण के लिए मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरण विकास	शोध	चालू	23.78
6.	सिंधु गंगा के मैदान (आईजीपी) क्षेत्र में उत्सर्जन सूची, स्रोत विभाजन और वहन क्षमता अध्ययन	शोध	पूर्ण	1.65
7.	रिंग टेस्ट और स्टेटिक इंजेक्शन सिस्टम के लिए स्वदेशी मदों की स्थापना और कमीशनिंग और नमी युक्त रासायनिक प्रयोगशाला में द्वीप तालिकाओं को बदलना	प्रयोगशाला में सुधार	पूर्ण	160.12
8.	एसपीसीबी/पीसीसी द्वारा प्रस्तुत खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन पर वार्षिक सूची रिपोर्ट का यादृच्छिक सत्यापन	जाँच	पूर्ण	113
9.	बागजान तेल निष्कर्षण के स्थान और इसके आसपास के क्षेत्र, तिनसुकिया, असम में वायु, जल और मिट्टी की गुणवत्ता का आकलन	जाँच	पूर्ण	52.01
10.	सीपीसीबी में कंप्यूटर नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण	आईईसी	पूर्ण	106
11.	देश में मानकों को पूरा न करने वाले शहरों (एनएसी) में सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों (सीएएक्यूएमएस) की स्थापना	बुनियादी ढांचे की निगरानी	पूर्ण	500
12.	राष्ट्रीय खतरनाक अपशिष्ट ट्रैकिंग (एनएचडब्ल्यूटीएस) सॉफ्टवेयर का विकास	जांच, क्षमता निर्माण	चालू	0
13.	भारत में उद्योगों से प्रदूषण के नियंत्रण के लिए प्रत्यक्ष डेटा हस्तांतरण के लिए ओसीईएमएस* डाटा अधिग्रहण और प्रबंधन प्रणाली (ओडीएएमएस) का डिजाइन, विकास और कार्यान्वयन	बुनियादी ढांचे की निगरानी	चालू	0

	*ओसीईएमएस (ऑनलाइन सतत प्रवाह/उत्सर्जन निगरानी प्रणाली)			
14.	व्यापक विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) और परिपत्र अर्थव्यवस्था पोर्टल का विकास	निगरानी के लिए बुनियादी ढांचा	चालू	14.27
15.	प्रयोगशाला सूचना प्रबंधन प्रणाली सहित आईटी सक्षम सेवाओं के साथ प्रयोगशालाओं का उन्नयन	प्रयोगशाला में सुधार	चालू	208
16.	मिशन कर्मयोगी के तहत ई-लर्निंग मॉड्यूल का विकास	क्षमता निर्माण	चालू	0
17.	जैव चिकित्सा अपशिष्ट की ट्रैकिंग के लिए केंद्रीकृत बारकोड प्रणाली का कार्यान्वयन	शोध	चालू	0
18.	सीपीसीबी की प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन	प्रयोगशाला में सुधार	चालू	451.57
19.	हिंडन सब बेसिन में डिस्चार्ज होने वाले 389 अत्यंत प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) का संबंधित एसपीसीबी के साथ सात तकनीकी संस्थानों द्वारा तीसरे पक्ष के माध्यम से निरीक्षण (चरण-I)	जाँच	पूर्ण	12.74
20.	राष्ट्रीय स्तर पर उपग्रह आधारित परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी (एसएएएनएस): चरण II - रखरखाव और सुधार	बुनियादी ढांचे की निगरानी	चालू	20.02
21.	इको-सेंसिटिव ज़ोन की पर्यावरणीय वहन क्षमता का आकलन: संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, मुंबई	शोध	पूर्ण	6.84
22.	हरियाणा में चरखी दादरी और महेंद्रगढ़ में सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों (सीएएक्यूएमएस) की स्थापना	बुनियादी ढांचे की निगरानी	चालू	0
23.	दिल्ली में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए शोर मानचित्रण, हॉट स्पॉट पहचान और शमन योजना - I (85 एल)	जाँच, शोध	चालू	33.71
24.	प्रयोगशालाओं के लिए इन्वेंटरी प्रबंधन प्रणाली और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना	प्रयोगशाला में सुधार	पूर्ण	373.818
25.	भारत में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) केंद्रों में 2 दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन	क्षमता निर्माण	पूर्ण	33.75
26.	सीपीसीबी के क्षेत्रीय निदेशालयों द्वारा आयोजित एनजीटी असाइनमेंट के लिए नमूनाकरण और विश्लेषण शुल्क, उपकरण / उपभोग्य सामग्रियों की खरीद, आदि	एनजीटी द्वारा सोंपा गया कार्य, प्रयोगशाला में सुधार	चालू	91.5
27.	पर्यावरण प्रयोगशाला अपशिष्ट जल शोधन के लिए बहिःस्राव शोधन संयंत्र (ईटीपी) का प्रदर्शन	शोध	चालू	8.35
28.	सीपीसीबी क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल में एनएबीएल मान्यता और प्रयोगशाला का सुदृढ़ीकरण	प्रयोगशाला में सुधार	चालू	5.33
29.	कपड़ा और टेनरी क्षेत्र के सामान्य प्रवाह शोधन	जाँच	चालू	9

	संयंत्रों (सीईटीपी) से उत्पन्न नमक की सूची और तमिलनाडु राज्य में प्रबंधन की स्थिति			
30.	तमिलनाडु में अलग-अलग उद्योगों और सीईटीपी द्वारा सुरक्षित लैंड-फिल (एसएलएफ) की स्थिति और एसएलएफ के आसपास भूजल गुणवत्ता का आकलन	शोध	चालू	3
31.	चिन्हित हिस्सों में महानदी की बाढ़ के मैदान को अभिज्ञात करना और उसके सीमांकन पर अध्ययन	शोध	पूर्ण	6.3
32.	सीपीसीबी क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल में अत्याधुनिक प्रयोगशाला अवसंरचना का विकास	प्रयोगशाला में सुधार	चालू	23.15
33.	सीपीसीबी क्षेत्रीय निदेशालय वडोदरा की प्रयोगशाला का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन	प्रयोगशाला में सुधार	चालू	0
34.	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, असम की केंद्रीय प्रयोगशाला का उन्नयन	प्रयोगशाला में सुधार	चालू	344.4
35.	अरुणाचल प्रदेश में सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियां	क्षमता निर्माण	पूर्ण	24.92
36.	अरुणाचल प्रदेश में सात प्रकार के अपशिष्टों की सूची	जाँच	पूर्ण	90
37.	एपीपीसीबी द्वारा नामसाई, अरुणाचल प्रदेश में प्रयोगशाला की स्थापना	प्रयोगशाला में सुधार	पूर्ण	59.85
38.	नागालैंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण की खरीद	क्षमता निर्माण आईईसी	पूर्ण	2.85
39.	नागालैंड में खतरनाक अपशिष्ट की सूची	जाँच	पूर्ण	41.18
40.	नागालैंड में सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियां	क्षमता निर्माण	पूर्ण	
41.	सिग्नल प्वाइंट, दीमापुर, नागालैंड में प्लास्टिक कचरे (पॉलिमर बिटुमेन रोड) का उपयोग करके 1 किमी सड़क का निर्माण* * यह परियोजना नागालैंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सड़क बनाने में प्लास्टिक अपशिष्ट के उपयोग को प्रदर्शित करने के लिए शुरू की गई थी।	शोध	पूर्ण	27.31
42.	नागालैंड राज्य में ई-अपशिष्ट की सूची और उसके लिए जागरूकता	जाँच	पूर्ण	22.5
43.	पंजाब एसपीसीबी द्वारा वास्तविक समय जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों (आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस) की स्थापना	बुनियादी ढांचे की निगरानी	पूर्ण	375
44.	पंजाब एसपीसीबी का प्रयोगशाला उन्नयन	प्रयोगशाला में सुधार	पूर्ण	540
45.	वीओसी उत्सर्जन स्प्रे पेंटिंग और नियंत्रण प्रौद्योगिकियां	शोध	पूर्ण	4.55
46.	मणिपुर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड - बोर्ड की प्रयोगशाला की तत्काल जरूरतों के लिए सहायता (उपकरण, उपभोग्य सामग्रियों आदि की खरीद)	प्रयोगशाला में सुधार	पूर्ण	86.91
47.	मिशन लाइफ के तहत वेस्ट टू वेल्थ हैकथॉन	आईईसी	पूर्ण	1.8
48.	दिल्ली न्यायिक अकादमी में पर्यावरण प्रदूषण और	आईईसी	पूर्ण	1.22

	शोधन पर सम्मेलन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया			
49.	एचपीएलसी प्रणाली और सहायक उपकरण और PM2.5 सैम्पलर्स की खरीद के माध्यम से सीपीसीबी में वायु प्रयोगशाला की निगरानी क्षमताओं का उन्नयन	प्रयोगशाला में सुधार	पूर्ण	106.8
50.	फुलडेरा नाले का जीर्णोद्धार	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	चालू	62.5
51.	यह स्थापित करने के लिए अध्ययन कि क्या मौजूदा बैच प्रक्रियाएं और उन्नत बैच स्वचालित प्रक्रिया टायर पायरोलिसिस उद्योग में निरंतर प्रक्रिया के साथ-साथ पर्यावरणीय चिंताओं को पूरा करने में सक्षम हैं	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	3.84
52.	विशाखापत्तनम में स्टाइरीन गैस रिसाव के कारण पर्यावरणीय क्षति का आकलन और वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण के लिए बहाली योजना तैयार करना	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	25.73
53.	सकरवाड़ी, महाराष्ट्र में मैसर्स गोदावरी बायो-रिफाइनरीज लिमिटेड की स्पेंट वॉश डिस्टिलरी के डी-स्लज्ड और रिफिल लैगून की दूषित मिट्टी और सतही जल निकायों और भूजल (जलभृत) का बायोरेमेडिएशन	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	चालू	6.78
54.	2019-पीबी के ओए संख्या 359 में माननीय एनजीटी मामले के अनुसरण में मालेगांव में पर्यावरण और स्वास्थ्य अध्ययन	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	चालू	35.4
55.	ओए संख्या 77/2019 (पीबी) में माननीय एनजीटी मामले के अनुसरण में सीटीएस नंबर 628 ए और 629 सी, गांव कांदिवली, मुंबई में परियोजना के ए विंग और बी विंग के सभी फ्लोर प्लान ड्रॉइंग और माप के साथ निर्मित क्षेत्र की रिपोर्टिंग के लिए परियोजना	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	2.26
56.	चरखी दादरी में परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	1.35
57.	वलसाड, गुजरात और दमन में ताडगाम, तीथल और जामपोर समुद्र तटों की निगरानी	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	10
58.	आईआईटीआर-लखनऊ के माध्यम से सिगरेट और बीड़ी बट्स का नमूना	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	48
59.	दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संबंधित छात्रों को मुआवजा	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	51
60.	पर्यावरणीय क्षति मुआवजा लगाने के लिए सामान्य रूपरेखा - पर्यावरणीय क्षति आकलन के लिए मेटा-विश्लेषण अध्ययन	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	6.29
61.	पानीपत रिफाइनरी के आसपास पर्यावरण,	एनजीटी के द्वारा	चालू	780

	सार्वजनिक स्वास्थ्य और भूजल के लिए बहाली योजना	सौंपा गया कार्य		
62.	दिल्ली में यमुना नदी के तट पर सब्जियों, खाद्य उत्पादों, मिट्टी और पानी का परीक्षण	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	2.46
63.	बंधवारी गांव गुरुग्राम में नगरपालिका ठोस अपशिष्ट लैंडफिल साइट के लिए क्षति लागत मूल्यांकन	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	8.74
64.	नदियों का त्वरित स्वच्छ सर्वेक्षण करने के लिए सही जैविक प्रणाली का सत्यापन	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	10.27
65.	माननीय सर्वोच्च न्यायालय सिविल अपील 18213/2023 के अनुसरण में एनसीआर में वायु प्रदूषण पर भट्ठे के संचालन के प्रभाव पर रिपोर्ट	कोर्ट के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	1.65
66.	एमआईडीसी तारापुर में और उसके आसपास नुकसान की सीमा पर रिपोर्ट; बहाली के उपाय, पर्यावरणीय क्षति लागत और बहाली की लागत, और माननीय एनजीटी ओए संख्या 64/2016 (डब्ल्यूजेड) के अनुसार सीईटीपी और प्रदूषणकारी इकाइयों की व्यक्तिगत जवाबदेही	एनजीटी के द्वारा सौंपा गया कार्य	पूर्ण	5.19
67.	कंक्रीट में प्राकृतिक रेत के आंशिक प्रतिस्थापन के रूप में थर्मल पावर प्लांट की बॉटम ऐश का मूल्य वर्धित उपयोग	शोध	चालू	0

अनुबंध-V

1. धान की पराली आधारित पेलेट संयंत्र की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता:

- टोरिफाइड पेलेट संयंत्र के मामले में, पूंजीगत लागत का 40% (प्रति टीपीएच संयंत्र अधिकतम 28 लाख रुपये) वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिसमें प्रति प्रस्ताव अधिकतम वित्तीय सहायता 1.4 करोड़ रुपये होगी।
- टोरीफिकेशन संयंत्र के मामले में, पूंजीगत लागत का 40% (प्रति टीपीएच संयंत्र अधिकतम 56 लाख रुपये) वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिसमें प्रति प्रस्ताव अधिकतम वित्तीय सहायता 2.8 करोड़ रुपये होगी।
- स्वीकृत संयंत्र - 15 संयंत्र स्वीकृत (13 पंजाब, 01 उत्तर प्रदेश और 01 हरियाणा) और 01 संयंत्र सैद्धांतिक रूप से स्वीकृत।
- 15 स्वीकृत संयंत्रों की कुल क्षमता 58.25 टीपीएच (2.1 लाख टन पेलेट/वर्ष) है और 15 स्वीकृत आवेदनों की कुल लागत 14.15 करोड़ रुपये है , जिसमें से 6 संयंत्र परियोजनाओं के लिए 6.2 करोड़ रुपये (लगभग) जारी किए गए हैं।

2. सरकारी अस्पताल में डीजी सेटों के रेट्रोफिटमेंट के लिए वित्तीय सहायता :

- आरईसीडी/दोहरे ईंधन किटों के लिए 100% वित्तपोषण, नए गैस आधारित जनरेटर सेटों की खरीद के लिए 40% वित्तपोषण पर विचार किया गया
- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के प्रस्ताव पर विचार किया जा चुका है, जबकि हरियाणा और दिल्ली के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है।
- 19.3 लाख रुपये की लागत से 4 डीजी सेटों के रेट्रोफिटमेंट का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।
- राजस्थान के मामले में, 33 अस्पतालों में 46 डीजी सेटों के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुए, लेकिन कोई भी मापदंड को पूरा नहीं करता पाया गया।
- दिल्ली के मामले में, पात्र मामलों के संबंध में स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों से पुष्टि मांगी गई है तथा हरियाणा का प्रस्ताव विचाराधीन है।

3. शहरी स्थानीय निकायों/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (सड़क निर्माण, पक्की सड़क बनाना, एंटी-स्मॉग गन और रोड स्वीपर की खरीद, आदि) का वित्तपोषण:

- 13.37 करोड़ रुपये की लागत से 8 सड़क परियोजनाएं स्वीकृत की गईं तथा इनका कार्य प्रगति पर है।
- यूपीपीसीबी को 8.93 करोड़ रुपए की लागत से 10 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीन (एमआरएसएम) और 06 एंटी-स्मॉग गन की खरीद को मंजूरी दी गई। यूएलबी/एजेंसियों द्वारा खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
- दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को 10.61 करोड़ रुपये की लागत से 18 सड़क निर्माण/पक्की सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए।
- उपरोक्त स्वीकृत 03 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की कुल लागत 32.91 करोड़ रुपये है, जिसमें से 6.68 करोड़ रुपये जीएमसी को जारी किए जा चुके हैं।
- उन मामलों में धनराशि उपलब्ध कराई जाती है जहां इन प्रस्तावों पर केन्द्र/राज्य सरकार की किसी अन्य योजना के अंतर्गत विचार नहीं किया जा रहा हो या कोई समतुल्य निधि उपलब्ध न हो।

4. मानकों को पूरा न करने वाले शहरों में सूक्ष्म-स्तरीय कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अंतराल वित्तपोषण:

- गाजियाबाद नगर निगम (जीएमसी) को 4.25 करोड़ रुपये की लागत से 1 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीन (एमआरएसएम) और 5 एंटी-स्मॉग गन की खरीद को मंजूरी दी गई।
- नगर निगम फरीदाबाद (एमसीएफ) को 4.025 करोड़ रुपये की लागत से 5 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीन (एमआरएसएम) और 5 एंटी-स्मॉग गन की खरीद को मंजूरी दी गई।
- नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा प्राधिकरण) को 5.605 करोड़ रुपये की लागत से 4 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीन (एमआरएसएम) और 5 एंटी-स्मॉग गन की खरीद को मंजूरी दी गई।
- सूक्ष्म स्तरीय कार्ययोजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित उपरोक्त 03 स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत 13.88 करोड़ रुपये है।

अनुबंध-VI

प्रस्ताव जो स्थगित रखे गए

यूएलबी का नाम	प्रस्ताव स्वीकृत
गाजियाबाद नगर निगम	2.25 करोड़ रुपये की लागत से 5 एंटी-स्मॉग गन (एएसजी)
नगर निगम फरीदाबाद	4.025 करोड़ रुपये की लागत से 5 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें (एमआरएसएम) और 5 एएसजी 27.1 करोड़ रुपये की लागत से 12 किलोमीटर सड़क निर्माण/मरम्मत कार्य और 8 किलोमीटर पक्की सड़क बनाने का कार्य
मेरठ नगर निगम	20 करोड़ रुपये की लागत से 14 किलोमीटर सड़क निर्माण/मरम्मत कार्य
नई दिल्ली नगर निगम	14.3 करोड़ रुपये की लागत से 5 एमआरएसएम
उत्तर प्रदेश में 4 शहरी स्थानीय निकाय/भूमि स्वामित्व एजेंसियां	5.392 करोड़ रुपये की लागत से 6 एमआरएसएम और 4 एएसजी
कुल	73.067 करोड़ रुपये

***दिल्ली-एनसीआर में 08 एजेंसियों से प्राप्त सड़क निर्माण/मरम्मत एवं पक्की सड़क निर्माण कार्य तथा एमआरएसएम और एएसजी की खरीद के लिए 73.067 करोड़ रुपये के प्रस्ताव विचाराधीन हैं, लेकिन माननीय एनजीटी से सहमति की प्रतीक्षा के मद्देनजर इन्हें स्थगित रखा गया है।**